उत्तराखंड में जलविद्युत परियोजना का पुनर्निर्माण

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (**MoEFCC**) ने उत्तराखंड में हिमालय की ऊपरी गंगा क्षेत्र में एक **जलविद्युत परियोजना के पुनर्निर्माण** के लिये पर्यावरणीय मंज़ूरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो **वर्ष 2013 में बड़े पैमाने पर हुए** फ्लैश फ्लड **के दौरान** लगभग पूरी तरह से **ध्वस्त हो गई थी,** जिसमें 6,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

मुख्य बिंदु:

- नदी घाटी और जलविद्युत परियोजनाओं के लिये मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने **फाटा ब्यूंग जलविद्युत परियोजना (76 मेगावाट)** को संदर्भ की शर्तों (Terms of Reference- ToR) के अनुदान को मंज़ूरी दे दी।
- फाटा ब्यूंग परियोजना ने **मंदाकिनी नदी** के प्रवाह को अवरुद्ध करके **वर्ष 2013 में** बादल फटने (Cloudburst) और **फ्लैश फ्लड** से होने वाली क्षति को और भी बढ़ा दिया।

मंदाकिनी नदी

- यह उत्तराखंड में **अलकनंदा** नदी **की एक सहायक नदी** है।
- यह नदी **रुद्रप्रयाग और सोनप्रयाग** क्षेत्रों के बीच लगभग 81 किलोमीटर तक प्रवाहित होती है तथा चोराबाड़ी ग्लेशियर से निकलती है।
- मंदाकिनी सोनप्रयाग में सोनगंगा नदी में विलीन हो जाती है और **उखीमठ में मध्यमहेश्वर मंदिर के पास से बहती** है।
- अपने मार्ग के अंत में यह अलकनंदा में गिरती है, जो **गंगा** में मिल जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rebuilding-a-hydropower-project-in-uttarakhand